# Master of Arts (Hindi)

## PROGRAMME GUIDE

# INDEX


- INTRODUCTION 3
- PROGRAMME CODE 3
- PROGRAMME DURATION 3
- MEDIUM OF INSTRUCTION 3
- SCHEME OF THE PROGRAMME 4
- SYLLABUS OF PROGRAMME 5-20

## INTRODUCTION

In the current area of modernization and westernization, we are turning apart from our own roots. One of the best examples is our deviation from national language Hindi. Over emphasis on the technical subjects has resulted in dearth of qualified people in the field of Hindi language. Nowadays, there is an excessive demand of manpower with expertise in Hindi especially in the field of translation as well as in teaching. So the current course caters to this need. The aim of M.A Hindi is to upgrade the students' knowledge in Hindi language and to enable them to use this deep knowledge practically in daily life.

## ACADEMIC OBJECTIVES

M.A. Hindi programme has been formulated especially for those students who want to go for teaching or translation work. The programme mainly aims to develop deep knowledge of Hindi among students. Through this programme, students will be able to know about the origin of Hindi language out of ancient language, scientific basis of Devnagri scripts, linguistics and ancient, medieval, and current form of poetry as well as prose etc. Upon completion of this course, students will have acquired a firm understanding of the major areas of knowledge including:

- Origin and development of Hindi language
- Development of prose through ages
- Development of poetry through ages
- Concepts of linguistics
- Application of Hindi in journalism
- History of Hindi literature

**PROGRAMME CODE: 442G-S**

**DURATION OF THE PROGRAMME:**

**Minimum Duration:** 2 Years

**Maximum Duration:** 5 Years

**MEDIUM OF INSTRUCTION/ EXAMINATION**:

Medium of Instruction and Examination shall be **Hindi**.

| SCHEME | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **COURSE CODE** | **COURSE TITLE** | **CR** | **CA** | **ETE** | **ETP** |
| **TERM 1** | | | | | |
| DHIN411 | HINDI SAHITYKA AADIKAAL AUR BHAKTI KAAL | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN412 | HINDI SAGUN KAVY | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN413 | HINDI UPANYAS SAHITY | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN414 | BHARTIY SAHITY SHASTRA | 4 | 20 | 80 | 0 |
| **TERM 2** | | | | | |
| DHIN415 | HINDI SAHITY KA RITIKAAL AUR AADHUNIK KAAL | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN416 | HINDI NIRGUN KAAVY EVAM RITIKAALEEN KAVY | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN417 | HINDI KATHA EVAM NIBANDH SAHITY | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN418 | PASHCHATY SAHITY SHASTRA | 4 | 20 | 80 | 0 |
| **TERM 3** | | | | | |
| DHIN511 | BHASHA VIGYAN | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN512 | ADHUNIK HINDI KAVITA | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN513 | HINDI NAATAK SAHITY | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN514 | ANUVAAD VIGYAN | 4 | 20 | 80 | 0 |
| **TERM 4** | | | | | |
| DHIN515 | HINDI BHASHA EVAM DEVNAGRI LIPI | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN516 | CHAYAVADOTTAR HINDI KAVITA | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN517 | KATHETTAR HINDI SAHITY | 4 | 20 | 80 | 0 |
| DHIN518 | KAARYAALAYEEN HINDI | 4 | 20 | 80 | 0 |
| **TOTAL CREDITS** | | **64** | | | |

| Course Code | D | H | I | N | 4 | 1 | 1 | Course Title | HINDI SAHITY KA AADIKAAL AUR BHAKTI KAAL |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन, नामकरण की समस्या, आदिकाल के नामकरण की समस्या और विविध परिस्थितियाँ |
| 2. | आदिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ, आदिकालीन साहित्य का परवर्ती काव्य पर प्रभाव, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की सामान्य परिस्थितियाँ और भक्ति के उदय के कारण |
| 3. | निर्गुण भक्ति साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख संत कवि एवं उनका योगदान, सूफी काव्य परम्परा की वैचारिक पृष्ठभूमि, परम्परा और भारतीय संस्कृति एवं लोक-जीवन |
| 4. | प्रमुख सूफी कवि, सूफी काव्य की प्रवृतियाँ, राम एवं कृष्ण काव्य धारा: प्रमुख कवि एवं काव्य प्रवृतियाँ, अष्ठछाप के प्रमुख कवि |
| 5. | भक्तिकाल : हिन्दी साहित्य के स्वर्णयुग के रूप में, भक्तिकालीन हिन्दी कविता: अन्य साहित्यिक प्रवृतियाँ |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** हिन्दी साहित्य का इतिहास, शुक्ल, रामचंद्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2009.

**2)** हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2002.

**3)** हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2008.

**4)** हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2009.

| Course Code | D | H | I | N | 4 | 1 | 2 | Course Title | HINDI SAGUN KAVY |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | सूरदास: साहित्यिक परिचय, भक्ति-भावना और काव्यगत विशेषताएँ सूरसागर का सार (गोकुल लीला, भ्रमरगीत) |
| 2. | सूरसागर के (गोकुल लीला, भ्रमरगीत-30 पद )पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या सूरसागर (गोकुल लीला और भ्रमरगीत) की तात्विक समीक्षा, शिल्प-विधान-भाषा-अलंकार आदि |
| 3. | तुलसीदास की लेखन कुशलता एवं काव्यात्मक योगदान<br>तुलसीदास की भक्तिभावना, रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) की सप्रसंग व्याख्या, तुलसी काव्य-समीक्षा |
| 4. | मीरा मुक्तावली: पद संख्या 21 से 70 तक सप्रंसग व्याख्या और भक्ति-भावना |
| 5. | मीरा मुक्तावली का भाव, भाषा और शिल्प-कला पक्ष |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


1) सूरसागर, सूरदास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2002.

2) गोस्वामी तुलसीदास, मीना, मनिशिखा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2004.

3) रामचरितमानस: साहित्यिक मूल्यांकन, पाण्डेय, सुधाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2008.

4) मीरा का काव्य, त्रिपाठी, विश्वनाथ, वाणी प्रकाशन, (पटना), बिहार, 2009.

| Course Code | D | H | I | N | 4 | 1 | 3 | Course Title | HINDI UPANYAS SAHITY |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | मुंशी प्रेमचंद की लेखन कुशलता एवं साहित्यिक योगदान, गोदान: कथावस्तु, पात्र, संवाद, आलोचनात्मक समीक्षा और उद्देश्य |
| 2. | हजारी प्रसाद द्विवेदी की लेखन कुशलता और साहित्यिक योगदान, बाणभट्ट की आत्मकथा: कथा, कलात्मक सौन्दर्य, पात्र, संवाद और तात्विक समीक्षा |
| 3. | फनीश्वरनाथ रेणु की लेखन कुशलता और साहित्यिक योगदान, मैला आँचल: कथा, कलात्मक सौन्दर्य, पात्र, संवाद और तात्विक समीक्षा |
| 4. | भीष्म साहनी की लेखन कुशलता और साहित्यिक योगदान, तमस: कथा, कलात्मक सौन्दर्य, पात्र, संवाद और तात्विक समीक्षा, समस्या,नामकरण और उद्देश्य |
| 5. | मन्नू भंडारी की लेखन कुशलता और साहित्यिक योगदान, आपका बंटी : कथा, कलात्मक सौन्दर्य, पात्र, संवाद और तात्विक समीक्षा, समस्या,नामकरण और उद्देश्य |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** गोदान, प्रेमचंद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2002.

**2)** बाणभट्ट की आत्मकथा, द्विवेदी, हजारी प्रसाद,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004.

**3)** मैला आँचल, रेणु, फणीश्वरनाथ, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 2008.

**4)** तामस, साहनी, भीष्म, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009.

**5)** आपका बंटी, भंडारी, मन्नू, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009.

| Course Code | D | H | I | N | 4 | 1 | 4 | Course Title | BHARTIY SAHITY SHASTRA |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | साहित्य का स्वरूप एवं काव्यांग, काव्य लक्षण, साहित्य और समाज, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार-प्रबंध एवं मुक्तक काव्य |
| 2. | उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, एकांकी,, आत्मकथा, जीवनी,रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज आदि के तत्व, वर्गीकरण एवं विशेषताएँ, |
| 3. | भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय, रस का सिद्धांत, स्वरूप एवं रस निष्पत्ति, साधारणीकरण,अलंकार सिद्धांत |
| 4. | ध्वनि-सिद्धांत, रीति-सिद्धांत, वक्रोक्ति-सिद्धांत और औचित्य सिद्धांत की अवधारणा और भेद, हिन्दी समीक्षा की पृष्ठभूमि, लक्षणकाव्य का परिचय, विशेषताएं, |
| 5. | आचार्य केशव, चिंतामणि और देव का शास्त्रीय चिंतन, हिन्दी के प्रमुख आलोचकों-आचार्य शुक्ल, ह. प्र.द्विवेदी, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा आदि का योगदान |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** साहित्य दर्पण, विश्वनाथ, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र,चौधरी, सत्यदेव, शांतिस्वरूप गुप्त, अशौक प्रकाशन, दिल्ली, 2004.

| Course Code | D | H | I | N | 4 | 1 | 5 | Course Title | HINDI SAHITY KA RITIKAAL AUR AADHUNIK KAAL |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ, दरबारी संस्कृति एवं लक्षण ग्रंथों की परम्परा<br>रीतिकालीन काव्य: रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य और उनकी प्रवृतियाँ |
| 2. | रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनकी काव्यगत प्रवृतियाँ, आधुनिक काल: 1857ई. का स्वाधीनता संग्राम एवं हिन्दी नवजागरण |
| 3. | भारतेंदु युग के प्रमुख कवि और उनकी काव्यगत प्रवृतियाँ, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं उनका युग और राष्ट्र काव्यधारा की कविता |
| 4. | छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता: स्वरूप और प्रवृतियाँ, हिन्दी गद्य का उदभव और विकास, हिन्दी उपन्यास और कहानी का विकास |
| 5. | हिन्दी नाटक, निबंध, आलोचना का विकास, गद्य साहित्य की अन्य विधाएँ: रेखाचित्र, जीवनी, संस्मरण, आत्मकथा और रिपोर्ताज का विकास |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** हिन्दी साहित्य का इतिहास, शुक्ल, रामचंद्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2009.

**2)** हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2002.

**3)** हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2008.

**4)** हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2009.

| Course Code | D | H | I | N | 4 | 1 | 6 | Course Title | HINDI NIRGUN KAAVY EVAM RITIKAALEEN KAVY |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | कबीर काव्य की साखी भाग की सप्रसंग व्याख्या, कबीर की भक्ति-भावना |
| 2. | कबीर की साखी की तात्विक समीक्षा, काव्यगत विशेषताएँ और भाषा-शैली |
| 3. | जायसी की लेखन कुशलता, पद्मावत का सारांश, सिंहलगढ़ वर्णन खंड की व्याख्या |
| 4. | जायसी के नागमति वियोग खंड और बादल युद्ध खंड की व्याख्या विश्लेषण |
| 5. | घनानंद की लेखन कुशलता और काव्यात्मक योगदान, घनानन्द कवित्त के प्रथम 50 पदों की व्याख्या भक्ति-भावना, भाव, भाषा और कला पक्ष |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** कबीर वाणी, तिवारी, पारसनाथ, अनीता प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002.

**2)** कबीर-एक अनुशीलन, वर्मा,रामकुमार,साहित्य भवन, इलाहाबाद, 2004.

**3)** मालिक मुहम्मद जायसी,पाण्डेय, बी.सी., विनोद प्रकाशन, दिल्ली, 2008.

**4)** रीतिमुक्त कवि घनानंद,सहगल, शशि, अमरसत्य प्रकाशन, कानपुर, 2009.

| Course Code | D | H | I | N | 4 | 1 | 7 | Course Title | HINDI KATHA EVAM NIBANDH SAHITY |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | प्रेमचंद की कहानियां: कहानियों का सार एवं प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण, प्रेमचंद की लेखन कुशलता |
| 2. | आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्यिक योगदान और उनके निबंध साहित्य की विशेषताएं |
| 3. | आचार्य रामचंद्र शुक्ल कृत चिंतामणि (श्रद्धा, भक्ति, लोभ और प्रीती, लज्जा-ग्लानि) निबंधों का सार और सप्रसंग व्याख्या विश्लेषण और समीक्षा |
| 4. | विष्णु प्रभाकर की लेखन कुशलता, जीवनी आवारा मसीहा- कथावस्तु, उद्देश्य एवं नामकरण , चरित्र-चित्रण और व्याख्या विश्लेषण और समीक्षा |
| 5. | यात्रा वृत्तांत चीड़ों पर चाँदनी की कथावस्तु, उद्देश्य, भाषा-शैली, प्रमुख गद्यांशों की व्याख्या-विश्लेषण और समीक्षा |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियां, प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2002.

**2)** चिंतामणि, शुक्ल, रामचंद्र, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2004.

**3)** आवारा मसीहा, विष्णु प्रभाकर, राजकमल एंड संस,दिल्ली, 2008.

**4)** चीड़ो पर चांदनी, वर्मा, निर्मल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009.

| Course Code | D | H | I | N | 4 | 1 | 8 | Course Title | PASHCHATY SAHITY SHASTRA |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENTS:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | पाश्चात्य साहित्यशास्त्र: अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत और विरेचन सिद्धांत और उसकी समीक्षा |
| 2. | पाश्चात्य साहित्यशास्त्र: अरस्तू के त्रासदी सिद्धांत का विवेचन और उसकी समीक्षा, लोंजाइनस |
| 3. | आई.ए. रिचड्र्स का सम्प्रेषण सिद्धांत, टी.एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत और उसकी समीक्षा |
| 4. | प्रमुख आधुनिक साहित्यवाद- स्वछंदतावाद और मार्क्सवाद की अवधारणा, स्वरूप और विशेषताएं और समीक्षा |
| 5. | अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकता की विवेचना और समीक्षा |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** पाश्चात्य काव्यशास्त्र, शर्मा, देवेन्द्रनाथ, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र,चौधरी, सत्यदेव, शांतिस्वरूप गुप्त, अशौक प्रकाशन, दिल्ली, 2004.

| Course Code | D | H | I | N | 5 | 1 | 1 | Course Title | BHASHA VIGYAN |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | भाषाविज्ञान: परिभाषा, अर्थ और स्वरूप, प्रकृति, महत्त्व और विशेषताएं, भाषा संरचना एवं भाषा के आधार, भाषा विज्ञान के क्षेत्र और दिशाएं- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक |
| 2. | भाषा की उत्पत्ति एवं भाषा-विकास के कारण, भाषा के विविध रूप- मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा |
| 3. | ध्वनि की परिभाषा और वैज्ञानिक आधार, ध्वनि की उत्पत्ति, प्रक्रिया और ध्वनि यंत्र, ध्वनि के प्रकार और वर्गीकरण, स्वर और व्यंजन वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं |
| 4. | रूप विज्ञान और रूप रचना,पद निर्माण पद्धति और भेद और दिशाएं, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, शब्द के प्रकार |
| 5. | वाक्य की अवधारणा, वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएं, वाक्य-भेद, वाक्य-विश्लेषण और प्रकार, अर्थ-विज्ञान की अवधारणा, अर्थ-परिवर्तन के कारण और दिशाएं |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** भाषा विज्ञान, तिवारी, भोलानाथ, किताबमहल प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002.

**2)** हिन्दी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन, सत्यव्रत, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद, 2004.

| Course Code | D | H | I | N | 5 | 1 | 2 | Course Title | ADHUNIK HINDI KAVITA |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | मैथिलीशरण गुप्त की लेखन कुशलता, साकेत का नवं सर्ग: सप्रसंग व्याख्या, भाव एवं कला पक्ष |
| 2. | जयशंकर प्रसाद की लेखन कुशलता, कामायनी(चिंता, श्रद्धा) की व्याख्या, कामायनी में इतिहास और कल्पना |
| 3. | कामायनी में रूपक तत्व, कामायनी का महाकाव्यत्व, कामायनी की दार्शनिकता, कला पक्ष, भाषा, अलंकार और छंद विधान |
| 4. | निराला की लेखन कुशलता, प्रकृति-चित्रण, राग-विराग(रामा की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति) का सार और सप्रसंग व्याख्या |
| 5. | महादेवी वर्मा की लेखन कुशलता, शिल्पगत एवं काव्यगत विशेषताएं, संधिनी की कुल दस कविताओं की व्याख्या, भाव एवं कला पक्ष, तात्विक समीक्षा |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** मैथिलीशरण, नवल, नंदकिशोर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** प्रसाद-निराला,चतुर्वेदी, रामस्वरूप, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2004.

**3)** महादेवी, सिंह, दूधनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009

| Course Code | D | H | I | N | 5 | 1 | 3 | Course Title | HINDI NAATAK SAHITY |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | भारतेंदु की नाट्य लेखन कुशलता, हिन्दी नाटक और रंगमंच में भारतेंदु का योगदान |
| 2. | अंधेर नगरी का सारांश, उद्देश्य, व्याख्या, प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण, तात्विक समीक्षा, संवाद और भाषा |
| 3. | प्रसाद की लेखन कुशलता, चन्द्रगुप्त का सारांश, व्याख्या, चरित्र, संवाद, तात्विक समीक्षा आदि |
| 4. | मोहन राकेशा की लेखन कुशलता, आधे-अधूरे का सारांश, व्याख्या, उद्देश्य, पात्र, संवाद, भाषा, तात्विक समीक्षा |
| 5. | आषाढ़ का एक दिन का सारांश, व्याख्या, उद्देश्य, पात्र-चित्रण, भाषा, संवाद, तात्विक समीक्षा |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** अंधेर नगरी सृजन-विश्लेषण और पाठ, गौतम, नरेश, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** नाटककार प्रसाद, तनेजा, सत्येन्द्र कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2004.

**3)** मोहन राकेश, तनेजा, जयदेव,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2009.

| Course Code | D | H | I | N | 5 | 1 | 4 | Course Title | ANUVAAD VIGYAN |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | अनुवाद: अर्थ, परिभाषा और महत्त्व, अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद कला या विज्ञान , अनुवाद के गुण, अनुवाद: अनुवाद के प्रकार- शब्दानुवाद, अर्थानुवाद, भावानुवाद |
| 2. | अनुवाद की समस्याएँ, विशिष्ट पदों का अनुवाद, पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद, गद्य रचनाओं (उपन्यास, नाटक,कहानी निबंध आदि) का अनुवाद, काव्यानुवाद (प्रबंधक एवं मुक्तक) |
| 3. | अनुवाद कार्य में सहायक साधन, कोश, पारिभाषिक शब्दावली, विषय विशेष के ग्रन्थ, कम्प्युटर आदि |
| 4. | रचनात्मक साहित्य का अनुवाद: स्वरूप, आवश्यकता, समस्याएँ और सीमाएं और निवारण |
| 5. | अंग्रेजी अनुच्छेदों का अनुवाद, वैज्ञानिक, तकनीकी, वाणिज्य, बैंकिंग और अन्य कार्यालयों से सम्बंधित विषय सामग्री का अनुवाद और समस्याएँ, अनुवाद की समस्याएं और निवारण |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** अनुवाद की व्यावहारि समस्याएँ, तिवारी, भोलानाथ, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार, नौटियाल, जयन्ती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009.

**3)** प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, पाण्डेय, कैलाश नाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010.

| Course Code | D | H | I | N | 5 | 1 | 5 | Course Title | HINDI BHASHA EVAM DEVNAGRI LIPI |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | हिन्दी एवं भारतीय भाषा परिवार, प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ- उद्भव और विकास, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उसकी विशेषताएं |
| 2. | आधुनिक आर्य भाषाएँ- वर्गीकरण और भौगोलिक विस्तार, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार और परिचय |
| 3. | हिन्दी की उपभाषाओं का परिचय- पूर्वी हिन्दी, पश्चिमी हिन्दी तथा अन्य |
| 4. | हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, हिन्दी भाषा के विविध रूप, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा का स्वरूप और हिन्दी की संवैधानिक स्थिति |
| 5. | भाषा एवं लिपि का सम्बन्ध, भारत की प्राचीन लिपियाँ(ब्राह्मी एवं खरोष्ठी), देवनागरी लिपि का नामकरण, वैज्ञानिकता, गुण और दोष तथा सुधार, मानक रूप |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा, मिश्र, नरेश, संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** हिन्दी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन, सत्यव्रत, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद, 2004.

| Course Code | D | H | I | N | 5 | 1 | 6 | Course Title | CHAYAVADOTTAR HINDI KAVITA |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | अज्ञेय की लेखन कुशलता, असाध्य वीणा: सारांश, सप्रसंग व्याख्या, काव्य-शिल्प, असाध्य वीणा का भाव एवं कला पक्ष |
| 2. | मुक्तिबोध की लेखन कुशलता, काव्यगत विशेषताएं, कविता अँधेरे में की व्याख्या, भाव एवं कला पक्ष |
| 3. | नरेशा मेहता का साहित्यिक परिचय और काव्यगत विशेषताएं, समय देवता में व्यक्त संवेदना तत्व, भाव-कला एवं शिल्प विधान |
| 4. | दिनकर की लेखन यात्रा, काव्य विशेषताएं, उर्वशी का महाकाव्यत्व, उर्वशी के निहित पात्रों का चरित्र--चित्रण |
| 5. | दिनकर कृत उर्वशी के प्रमुख खण्डों की सप्रसंग व्याख्या विश्लेषण, उर्वशी का भाव पक्ष एवं कला पक्ष |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** दिनकर, सिन्हा, सावित्री, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** मुक्तिबोध,नवल, नंदकिशोर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2004.

**3)** अज्ञेय: एक अध्ययन,पटेल, भोलाभाई, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009.

**4)** नई कविता और नरेश मेहता, सिंह, विमला, शिल्पी प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010.

| Course Code | D | H | I | N | 5 | 1 | 7 | Course Title | KATHETTAR HINDI SAHITY |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | महादेवी की लेखन कुशलता, अतीत के चलचित्र: कथावस्तु का सारांश और समीक्षा और व्याख्या विश्लेषण |
| 2. | अतीत के चलचित्र का उद्देश्य, प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण, तात्विक समीक्षा और भाषा-शैली |
| 3. | धर्मवीर भारती की लेखन कुशलता, काव्यगत विशेषताएं, अंधा युग (काव्य-नाटक) का सारांश, उद्देश्य, पात्र-चित्रण, भाषा, संवाद, अभिनेयता एवं रंगमंचीयता |
| 4. | अज्ञेय की लेखन कुशलता, स्मृति लेखा की कथा का सारांश और समीक्षा, प्रमुख अंशों की सप्रसंग व्याख्या विश्लेषण |
| 5. | स्मृति लेखा के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण, उद्देश्य, तात्विक समीक्षा, भाषा एवं कलापक्ष |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** महादेवी, सिंह, दूधनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** अज्ञेय: एक अध्ययन,पटेल, भोलाभाई, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009.

**3)** धर्मवीर भारती की साहित्य साधना, भारती, पुष्पा,भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली, 2010.

| Course Code | D | H | I | N | 5 | 1 | 8 | Course Title | KAARYAALAYEEN HINDI |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

| Weightage | | |
|---|---|---|
| CA | ETE (Th.) | ETP |
| 20 | 80 | 00 |

**COURSE CONTENT:**

| Sr. No. | Content |
|---|---|
| 1. | कार्यालयी हिन्दी: अर्थ, स्वरूप और महत्त्व, कार्यालयी हिन्दी के प्रयोग की प्रमुख समस्याएँ |
| 2. | कार्यालयी हिन्दी: विकास के सोपान, का व्याकरणिक स्वरूप एवं मानकीकरण की समस्याएँ, |
| 3. | विभिन्न राजभाषा अधिनियम, अहिन्दी क्षेत्रों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की समस्याएँ, कार्यालयी हिन्दी का प्रयोगात्मक पक्ष |
| 4. | आलेखन, प्रारूपण, सरकारी-गैर सरकारी पत्र, न्यालयोदेश, विज्ञापन लेखन, अनुस्मारक, अध्यादेश, निविदा सूचना, |
| 5. | प्रारूपों की सैद्धांतिक एवं व्यावाहारिक जानकारी, टिप्पणी, अनुच्छेद और अन्य सामग्री लेखन |

**READINGS:** SELF LEARNING MATERIAL (SLM)

**ADDITIONAL READINGS:**


**1)** अनुवाद की व्यावहारि समस्याएँ, तिवारी, भोलानाथ, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2002.

**2)** अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार, नौटियाल, जयन्ती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009

**3)** प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका, पाण्डेय, कैलाश नाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010